Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Scheme for Theory Based Subjects

Guidelines for Scheme of examination of UG Course

Hindi (Compulsory) & Hindi (Elective)

(under semester system)

The Scheme of Examination of undergraduate (UG) Courses under Faculty of Humanities & Social Sciences run by affiliated degree colleges will be under 80: 20 (external: internal) for theory based courses. Pass percentage will be ……..

For the UG courses under Faculty of Humanities & Social Sciences, the guidelines regarding scheme and paper setting will be followed as:

For the end semester examinations, five questions are to be set by the examiner. The candidates shall attempt all five questions. First question will be compulsory of 20 marks based on the entire syllabus. It will comprise of ten short answer type questions of two marks each. Students are required to attempt rest four questions in which internal choice will be available. All remaining four questions shall carry equal marks i.e. 15 each.
Scheme: 80:20 (external: internal)
1st question=20 marks (10 short answer type questions of two marks each)
Rest four questions: 15 marks each i.e. 4 x 15=60
Total = (20+60) + 20 = 100marks

Components of Internal Assessment (Breakdown of 20 marks)	
(a)	Class Test: 5 marks
(b)	Assignment: 5 marks
(c)	Participation in Class Discussions: 3 marks
(d)	Term Paper/written test/2nd assignment: 5 marks
(e)	Attendance: 2 marks*

*Weightage of 2 marks for **Attendance** component out of 20 marks for Internal Assessment shall be available only to those students who attend **75% and more** of classroom lectures. The break-up of marks for **attendance component** for theory papers shall be as under:

(a) 75% and above up to 85%: 1 mark

(b) Above 85%: 2 marks

Guru Jambheshwar University of Science & Technology, Hisar

Hindi (Compulsory and Elective)

B.A. IIIrd Year 5th & 6th Semester Scheme of Examination

(w.e.f. the academic session 2020-21)

5th Semester

Paper No.	Paper Code	Nomenclature of Paper	Periods per Week	External Marks	Internal Marks	Total Marks	Time
B.A. Hindi Paper-A Theory	HINC 301	Hindi Compulsory	8+2	80	20	100	3Hrs
B.A. Hindi Paper-A Theory	HINE 301	Hindi Elective	6+2	80	20	100	3Hrs

6th Semester

Paper No.	Paper Code	Nomenclature of Paper	Periods per Week	External Marks	Internal Marks	Total Marks	Time
B.A. Hindi Paper-A Theory	HINC 302	Hindi Compulsory	8+2	80	20	100	3Hrs
B.A. Hindi Paper-A Theory	HINE 302	Hindi Elective	6+2	80	20	100	3Hrs

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम हिन्दी (अनिवार्य)

बी०ए० तृतिय वर्ष पाचवाँ समेस्टर

पेपर – ए **HINC 301-** हिन्दी (अनिवार्य)

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

ω निर्धारित पाठ्यक्रम

- समकालीन हिन्दी साहित्य पर आधारित पाठ्य पुस्तक
- हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल– कविता
- प्रयोजनमूलक हिन्दीः पत्र लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

(क) पाठ्य पुस्तक में निर्धारित रचनाकार

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
2. धर्मवीर भारती
3. श्री नरेश मेहता
4. नागार्जुन
5. रघुवीर सहाय
6. कुवरनारायण
7. लीलाधर जगूड़ी

ω पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्टय तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएँगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृति पर प्रश्न नहीपूछे जाएंगे।

(ख) हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी कविता की प्रवृतियाँ
2. द्विवेदीयुगीन हिन्दी कविता की प्रवृतियाँ
3. छायावाद
4. प्रगतिवाद
5. प्रयोगवाद
6. नयी कविता
7. समकालीन कविता

(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी : पत्र लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

1. पत्र लेखन स्वरुप और उसके विविध भेद
2. संक्षेपण
3. पल्लवन

(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न : उर्पयुक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

पाठ्यक्रम निर्देश :

1 खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्ही दो का उत्तर देना होगा। एक व्याख्या के लिए 5 अंक और पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

2 खण्ड (क) साहित्यकारों पर दो साहित्यिक परिचय दिए जाएँगे परीक्षार्थियों को एक का उत्तर लिखना होगा यह प्रश्न 5 अंक का होगा।

3 खण्ड (क) में से साहित्यिकारों पर दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे परीक्षार्थियों ने एक का उत्तर देना होगा इस प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

खण्ड (क) पाठ्यक्रम से चार लघुत्तरी पूछे जाएँगे परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रष्न के लिए 4 अंक और पूरा प्रष्न 8 अंक का होगा।

4 खण्ड (क) हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल में दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाँएगे परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

(ख) खण्ड (ख) आधुनिक साहित्य से चार लघुतरी प्रश्न पूछे जाँएगे परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों के उत्तर देने होंगे परीक्षार्थियों को दो प्रश्न का उत्तर लिखने होंगे पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

5 खण्ड (ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी में से दो प्रश्न पूछे जाँएगे परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

(ख) खण्ड (ग) पाठ प्रयोजन मूलक हिन्दी में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाँएगे परीक्षार्थियों को दो के उत्तर देने होंगे प्रत्येक प्रश्न 4 और पूरा प्रश्न 8अंक का होगा।

6 खण्ड (घ) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाँएगे परीक्षार्थियों ने सभी दस का उत्तर लिखना है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक और पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। प्रश्न का उत्तर लगभग 50 शब्दों में देना होगा।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम हिन्दी (अनिवार्य)

बी०ए० तृतिय वर्ष छटवाँ समेस्टर

पेपर – ए **HINC 302-** हिन्दी (अनिवार्य)

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

ω निर्धारित पाठ्यक्रम

- नव्यतर विधाओं पर आधारित पाठ्य पुस्तक
- हरियाणवी भाषा औरसाहित्य का इतिहास
- प्रयोजनमूलक हिन्दीः पत्रकारिता

खण्ड(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकार एव ंरचना

1. बालमुकुंदगुप्त : आशाकाअंत(निबंध)
2. आचार्य रामचन्द्र शुकल : उत्साह(निबंध)
3. महादेवी वर्मा : गिल्लू(संस्मरण)
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : देवदारू (ललित निबंध)
5. विद्यान निवास मिश्र : मेरेरामकामुकुटभीगरहाहै(ललित निबंध)
6. हरिशंकर परसाई : सदाचारकाताबीज(व्यंग्य)
7. राहुल सांकृत्यायन : तिब्बत के पथपर(यात्रावृत)

ω पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, निबन्धों के विषय तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाँएगे

खण्ड(ख) हरियाणवी भाषा और साहित्य का इतिहास पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

1. हरियाणवी भाषाका उद्‌भव और विकास
2. हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलियाँ
3. हरियाणा की सांगपरम्परा : उद्‌भव और विकास
4. हरियाणवी भाषा का आधुनिक पद्य और गद्य साहित्य
5. हरियाणवी आधुनिक कविता : परिचय औरप्रवृत्तियाँ
6. हरियाणवी का गद्य साहित्य : उपन्यास, कहानी, नाट्य

खण्ड(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी : पत्रकारिता

1. पत्रकारिता– स्वरूप और प्रकार
2. शीर्षक की संरचना
3. सम्पादक के गुण और दायित्व
4. फीचर लेखन
5. स्वतन्त्र प्रेस की अवधारणा

खण्ड(घ) सम्पूर्ण पाठ्य क्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न

ω निर्धारित पाठ्यक्रम का वर्गीकरण और अंक विभाजन

1 खण्ड(क) निर्धारितपाठ्य पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरणदिए जाएँगे, परीक्षार्थियों को किन्ही दो अवतरणों की व्याख्या करनी है प्रत्येकव्‍ याख्या 5 अंक और पूरा प्रश्न 10 अंकका होगा।

2 खण्ड(क) निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा यह प्रश्न 5 अंक का होगा।

3 खण्ड(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक से छः लघुतरी प्रश्न पूछे जाएँगे, परीक्षार्थियों को लगभग 150 शब्दों में किन्ही तीन के उत्तर लिखने होंगे प्रत्येक प्रश्न 5 अंक और पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

4 खण्ड(ख) निर्धारित आलोचनात्मकप्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएँगे परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

5 खण्ड(ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघुतरी प्रश्न पूछे जाएँगे परीक्षार्थियों ने इनमें से दो के उत्तर लिखने होंगे प्रत्येक प्रश्न 4 अंक और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

6 खण्ड(ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से छः लघुतरी प्रश्न दिए जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थियों को तीन प्रश्नों के उत्तर 150 शब्दों में लिखने होंगे प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक और पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

7 खण्ड(ग) में पूरे पाठ्यक्रम से दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएँगे प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 25–50 शब्दों में लिखना होगा।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम हिन्दी (ऐच्छिक)

बी॰ए॰ तृतिय वर्ष पाचवाँ समेस्टर

पेपर – ए **HINE 301-** हिन्दी (ऐच्छिक)

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1 समकालीन हिन्दी कविता
2 समकालीन हिन्दी कहानी
3 हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य –15
4 वस्तुनिष्ठ प्रश्न –20

खण्ड(क) समकालीन हिन्दी कविता में निम्नलिखित कवियों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा।

1 स॰ ही॰ वातस्यायन अज्ञेय
2 धर्मवीर भारती
3 भवानी प्रसाद मिश्र
4 दुष्यंत कुमार
5 रघुवीर सहाय
6 सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
7 शमशेर बहादुर सिंह

– निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय उनकी काव्य संवेदना तथा काव्य शिल्प पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड(ख) समकालीन हिन्दी कहानी में निम्नलिखित कहानीकारों को शामिल किया जाएगा।

1 ज्ञान रंजन
2 काशीनाथ सिंह
3 मृदुला गर्ग
4 पंकज विष्ट
5 स्वंयप्रकाश
6 उदयप्रकाश
7 संजीव

– निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों का प्रतिपाद्य तथा कहानी कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड(ग) हिन्दी साहित्य का आधुनिक गद्य :

निर्धारित प्रश्न–

1 हिन्दी उपनयास : उद्भव और विकास

2 हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास

3 हिन्दी कहानी : उद्भव और विकास

4 हिन्दी निबन्ध : उद्भव और विकास

5 हिन्दी आलोचनात्मक : उद्भव और विकास

6 हिन्दी साहित्य की अन्य विधाएं– आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत का उद्भव और विकास

खण्ड(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न :

निर्देश :

1 खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्ह दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

2 खण्ड 'क' निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

3 खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्ह दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी, प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धारित है पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

5 खण्ड(क+ख)में निर्धारित पाठ्यक्रम (समकालीन हिन्दी कविता+समकालीन हिन्दी कहानी) में से छः लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 200–200 शब्दों में किन्ह तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

6 खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा इस प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित हैं।

7 खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से छः लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्ह दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

8 अन्तिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से दस प्रश्न पूछे जाएंगे पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा परीक्षाथियों को इसका उत्तर 50 शब्दों में लिखना होगा।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार
पाठ्यक्रम हिन्दी (ऐच्छिक)
बी०ए० तृतिय वर्ष छटवाँ समेस्टर

पेपर – ए **HINE 302-** हिन्दी (ऐच्छिक)

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

निर्धारित पाठ्यक्रम

1 मानस का हंस (विद्यार्थी संस्करण) : अमृतलाल नागर
2 नव्यत्तर गद्य विधाएं
3 साहित्यलोचन
4 वस्तुनिष्ठ प्रश्न

खण्ड (क) निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1 अमृतलाल नागर का साहित्यक परिचय
2 मानस का हंस : प्रतिपाद्य
3 मानस का हंस : पुरावृत्त और कल्पना
4 मानस का हंस : चरित्र निर्माण
5 मानस का हंस : देशकाल और वातावरण
6 मानस का हंस : भाषा शैली

खण्ड (ख) नव्यतर गद्यविधाएँ

प्रस्तुत पुस्तक में से प्रतिष्ठित रचनाकारों की निम्नलिखित विधाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। ललित निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावृतान्त, व्यंग्य और डायरी पर आधारित विधाएं निम्नलिखित होंगी।

1 अशोक के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
2 अस्ति की पुकार हिमालय : विद्यानिवास मिश्र
3 घीसा : महादेवी वर्मा
4 मेरे पिताजी : कन्हैयालाल प्रभाकर मिश्र
5 मोहन राकेश की डायरी – मोहन राकेश
6 भोला राम का जीव : हरिशंकर परसाई
7 चीड़ों पर चाँदनी : निर्मल वर्मा

खण्ड (ग) साहित्यलोचन

निर्धारित विषय

- काव्य : स्वरुप और भेद
  काव्य की परिभाषा, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतू
  काव्य के भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य गीतिकाव्य
- काव्य : स्वरुप और भेद
- रस की परिभाषा और उसके भेद
- अलंकार की परिभाषा और प्रमुख अलंकारों का सोदाहरण परिचय–अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा रुपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान, सन्देह, मानवीकरण

खण्ड (घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश :

1 खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिसमें से परिक्षार्थियों को किन्हदो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी, प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

2 खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परिक्षार्थियों को किसी एक का उत्तर देना होगा यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

3 खण्ड (ख) में निर्धारित पाठ्य क्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परिक्षार्थियों को किन्हदो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी प्रत्येक व्याख्या के लिए 4 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

4 खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परिक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा यह प्रश्न 7 अंक का होगा।

5 खण्ड (कख) में निर्धारित पाठ्यपुस्तकों एवं आलोचनात्मक प्रश्न में से छः लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग 200–200 शब्दों में किन्ह□ तीन का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित हैं पूरा प्रश्न 15 अंक का होगा।

6 खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक का उत्तर देना होगा इस प्रश्न के लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

7 खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित है पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

8 अन्तिम प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रकृति के दस प्रश्न पूछे जाएंगे पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा परीक्षार्थियों को इसका उत्तर 50 शब्दों में लिखना होगा।